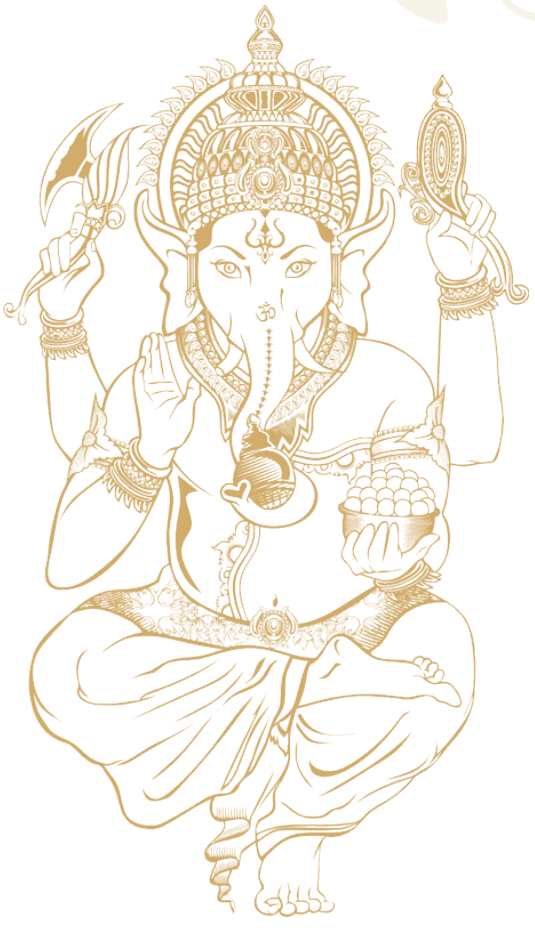

Abhi kumar

24 Nov 2002

01:15 AM

Bihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121202906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23-24/11/2002**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:15:00 घंटे**
इष्ट	47:28:28 घटी
स्थान	**Bihar**
देश	India

अक्षांश	26:38:00 उत्तर
रेखांश	84:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:24:36 घंटे
वेलान्तर	00:13:42 घंटे
साम्पातिक काल	05:35:02 घंटे
सूर्योदय	06:15:36 घंटे
सूर्यास्त	16:57:51 घंटे
दिनमान	10:42:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	07:26:53 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:31:00 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:31:00	322:56:05	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	07:26:53	01:00:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	20:20:19	12:47:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:06:42	00:38:30	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	12:54:30	01:33:33	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कर्क	24:01:29	00:02:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	06:17:20	00:06:03	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:34:17	00:04:09	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	14:46:28	00:00:46	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	14:46:28	00:00:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:10:45	00:01:00	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:37:52	00:01:08	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:56:53	00:02:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	00:22:23	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:34

लग्न-चलित

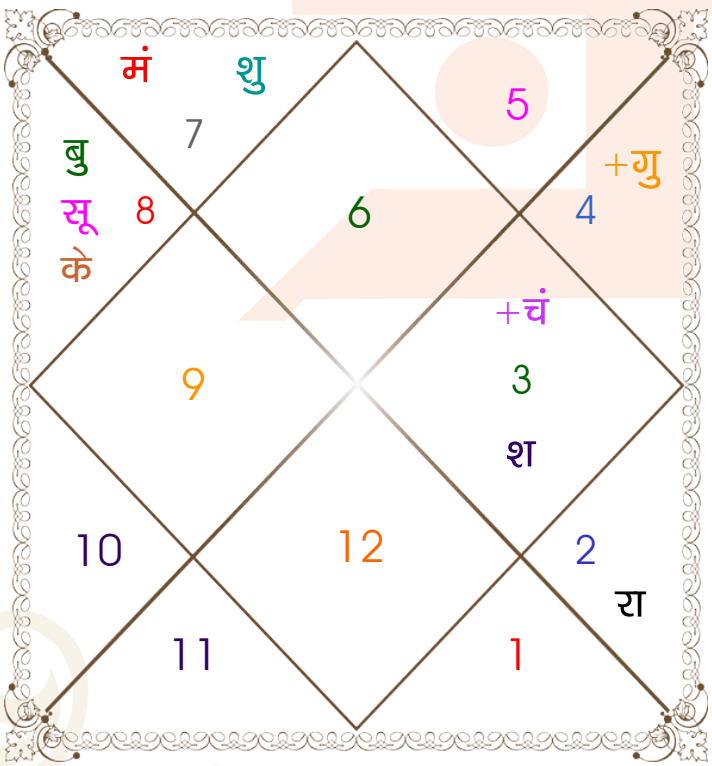

चन्द्र कुंडली

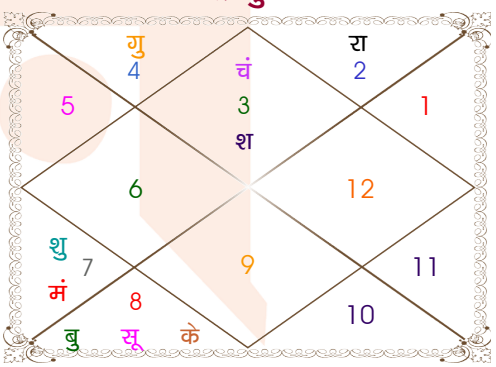

नवमांश कुंडली

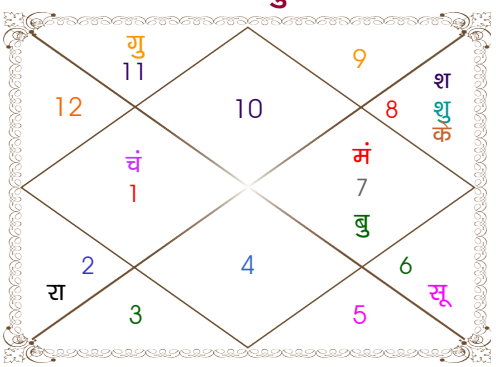

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 7 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/11/2002		28/06/2018		28/06/2037		28/06/2054		28/06/2061	
28/06/2018		28/06/2037		28/06/2054		28/06/2061		28/06/2081	
गुरु	15/08/2004	शनि	01/07/2021	बुध	25/11/2039	केतु	24/11/2054	शुक्र	27/10/2064
शनि	27/02/2007	बुध	10/03/2024	केतु	21/11/2040	शुक्र	24/01/2056	सूर्य	28/10/2065
बुध	04/06/2009	केतु	19/04/2025	शुक्र	22/09/2043	सूर्य	31/05/2056	चंद्र	28/06/2067
केतु	10/05/2010	शुक्र	19/06/2028	सूर्य	28/07/2044	चंद्र	30/12/2056	मंगल	28/08/2068
शुक्र	08/01/2013	सूर्य	01/06/2029	चंद्र	28/12/2045	मंगल	29/05/2057	राहु	28/08/2071
सूर्य	28/10/2013	चंद्र	31/12/2030	मंगल	25/12/2046	राहु	16/06/2058	गुरु	28/04/2074
चंद्र	27/02/2015	मंगल	09/02/2032	राहु	13/07/2049	गुरु	23/05/2059	शनि	28/06/2077
मंगल	03/02/2016	राहु	16/12/2034	गुरु	19/10/2051	शनि	01/07/2060	बुध	28/04/2080
राहु	28/06/2018	गुरु	28/06/2037	शनि	28/06/2054	बुध	28/06/2061	केतु	28/06/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/06/2081		28/06/2087		28/06/2097		29/06/2104		29/06/2122	
28/06/2087		28/06/2097		29/06/2104		29/06/2122		00/00/0000	
सूर्य	16/10/2081	चंद्र	28/04/2088	मंगल	24/11/2097	राहु	12/03/2107	गुरु	25/11/2122
चंद्र	16/04/2082	मंगल	27/11/2088	राहु	13/12/2098	गुरु	04/08/2109		00/00/0000
मंगल	22/08/2082	राहु	29/05/2090	गुरु	19/11/2099	शनि	10/06/2112		00/00/0000
राहु	17/07/2083	गुरु	28/09/2091	शनि	28/12/2100	बुध	29/12/2114		00/00/0000
गुरु	04/05/2084	शनि	28/04/2093	बुध	26/12/2101	केतु	16/01/2116		00/00/0000
शनि	16/04/2085	बुध	28/09/2094	केतु	24/05/2102	शुक्र	16/01/2119		00/00/0000
बुध	20/02/2086	केतु	29/04/2095	शुक्र	24/07/2103	सूर्य	11/12/2119		00/00/0000
केतु	28/06/2086	शुक्र	27/12/2096	सूर्य	29/11/2103	चंद्र	11/06/2121		00/00/0000
शुक्र	28/06/2087	सूर्य	28/06/2097	चंद्र	29/06/2104	मंगल	29/06/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 7 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।